करेंट अफेयर्स 16 अगस्त 2022

भारत की कम गुणवत्ता वाले रोजगार की बड़ी समस्या

पाठ्यक्रम: जीएस पेपर -3

संदर्भ: वीवी गिरि राष्ट्रीय श्रम संस्थान द्वारा "राज्यों द्वारा किए गए श्रम सुधारों का प्रभाव मूल्यांकन अध्ययन" नामक एक अंतरिम रिपोर्ट 2004-05 से 2018-19 की अवधि के दौरान **राजस्थान, महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु, झारखंड और उत्तर प्रदेश** में किए गए श्रम सुधारों के प्रभावों में अंतर्दृष्टि प्रदान करती है।

श्रम कानूनों में कई विषयों को शामिल किया गया है - **मजदूरी का भुगतान, सुरक्षा की स्थिति, सामाजिक सुरक्षा, रोजगार की शर्तें, और विवाद समाधान।** रिपोर्ट में **औद्योगिक विवाद अधिनियम के सुधार** पर ध्यान केंद्रित किया गया है, जो सेवा की शर्तों और विवाद समाधान के तरीकों (यूनियनों की भूमिका) से संबंधित कानूनों की प्रयोज्यता की सीमाओं को 300 व्यक्तियों तक बढ़ाना है।

भारत में रोजगार सृजन की स्थिति

- 1980 और 1990 के बीच, सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि के प्रत्येक एक प्रतिशत ने दो लाख नई नौकरियों का सृजन किया
- 1990 से 2000 के बीच, यह हर प्रतिशत वृद्धि के लिए एक लाख नौकरियों तक कम हो गया।
- 2000 से 2010 तक यह घटकर आधा लाख ही रह गया।

हाल के दशक में श्रम सुधारों के बारे में

2014 से पहले: सरकार ने डिजिटलीकरण और प्रक्रियाओं को सरल बनाने के माध्यम से प्रशासनिक सुधारों पर जोर दिया।

2014 के बाद: सरकार ने कानूनों की सामग्री में सुधार पर ध्यान केंद्रित किया और श्रम कानून सुधारों के लिए एक रूपरेखा तैयार की।

रिपोर्ट के मुख्य निष्कर्ष

- श्रम कानूनों के सुधारों का बड़े उद्यमों में रोजगार बढ़ाने पर महत्वहीन प्रभाव पड़ा है।
- **सुधारों को लागू करने वाला पहला राज्य राजस्थान**, उनसे सबसे कम लाभान्वित हुआ प्रतीत होता है क्योंकि **श्रम सुधारों के प्रभावों में** समय लगता है।
- रिपोर्ट के अनुसार औपचारिक उद्यमों में रोजगार अधिक अनौपचारिक होता जा रहा है।

श्रम सुधारों में समस्याओं के कारण

- सुधारों का प्राथमिक उद्देश्य बड़े उद्यमों के निर्माण को प्रेरित करना था जो आई**एंडस्ट्रियल विवाद अधिनियम** में वैचारिक दोष के कारण प्राप्त नहीं किए जा सके थे।
- बड़े निवेशक अल्पकालिक अनुबंधों पर लोगों की बढ़ती संख्या को रोजगार दे रहे हैं, जबकि विकृत रूप से कानूनों में अधिक लचीलेपन की मांग कर रहे हैं।
- **श्रम कानून केवल एक कारक है जो व्यावसायिक निवेश निर्णयों को प्रभावित करता है।** श्रम सुधारों के अलावा, एक उद्यम को **अपने उत्पादों के लिए बढ़ते बाजार की आवश्यकता होती है, और बाजार के लिए उत्पादन करने के लिए पूंजी, मशीनरी, सामग्री, भूमि** आदि की आवश्यकता होती है।
- सुधार श्रम कानूनों के प्राथमिक उद्देश्य को पूरा करने में विफल रहे, अर्थात्, **श्रमिकों की रक्षा करने और निवेशकों के हितों को बढ़ावा देने के लिए नहीं।**

भारत @ 75

पाठ्यक्रम: जीएस पेपर -2 (भारतीय संविधान)

संदर्भ: भारत ने 15 अगस्त, 2022 को और उसके आसपास अपनी स्वतंत्रता का 75 वां वर्ष मनाया।

भारतीय लोकतंत्र की चिंताएं

राष्ट्रवादी बयानबाजी: एक राष्ट्र के रूप में भारत के विचार को एक समुदाय में कम करने के प्रयास किए जा रहे हैं। एक बहिष्करण और सामुदायिक पहचान पर एक अतिरंजित बयानबाजी को चिह्नित करता है। इसलिए वर्तमान कथन में लोकतंत्र राष्ट्र के लिए गौण है।

भारत के संविधान के उत्सव में विरोधाभास: हालांकि दस्तावेज का जश्न मनाया जा रहा है, लेकिन सामाजिक और राजनीतिक अभ्यास में इसकी भावना को अपनाना आधे-अधूरे मन से है। उदाहरण के लिए, संविधान के दो सबसे क्रांतिकारी तत्व, **मौलिक अधिकार और निर्देशक सिद्धांत**, निहित स्वार्थ के लिए समय-समय पर आसानी से अलग रखे जाते हैं।

हमारे **विधायी विकल्पों, कार्यकारी प्रथाओं और न्यायिक व्याख्याओं** द्वारा समय-समय पर संविधान को कमजोर किया गया है।

संस्थानों का जाल: संविधान ने हमें कई संस्थानों को प्रदान किया है और संसद द्वारा कई अन्य संस्थानों को जोड़ा गया है। इनमें से अधिकांश संस्थान नागरिकों को नियंत्रित करने के लिए बनाए गए हैं। राजनीतिक हस्तक्षेप के कारण आंशिक रूप से इन संस्थानों के कामकाज में गंभीर क्षरण हुआ है।

गहरी असमानताएं: भारतीय राजनीति को चिह्नित करती हैं। कोई भी पारिवारिक मार्ग से या पारिवारिक संबंधों का पता लगाकर भारतीय राजनीति में प्रवेश कर सकता है। यह राजनीतिक असमानता बढ़ जाती है और बदले में, विभिन्न अन्य असमानताओं को बढ़ाती है।

भारत के लोकतांत्रिक जीवन में एक सामूहिक और व्यक्ति के रूप में लोगों के बीच कोई संतुलन नहीं है: व्यक्तिके विचार में शायद ही कभी वजन होता है। समुदायों के भीतर, व्यक्ति माध्यमिक हैं। इसके अलावा, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, जीवन और स्वतंत्रता के अधिकार जैसे व्यक्तियों के मौलिक अधिकारों और स्वतंत्रता को जनता और शासकों दोनों द्वारा अनावश्यक के रूप में देखा जाता है।

इस प्रकार, हमारी राष्ट्रीयता के 75 वर्षों का जश्न मनाने का सबसे अच्छा तरीका यह है कि हम अपने**लोकतंत्र की स्पष्टता की याद दिलाएं।**

प्रारंभिक परीक्षा मुख्य तथ्य

विभाजन विभीषिका स्मरण दिवस

- भारत ने रविवार, 14 अगस्त **को विभाजन विभीषिका स्मरण दिवस के रूप में मनाया। इस स्मृति समारोह की घोषणा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी** ने पिछले साल इसी तारीख को की थी।
- यह तिथि पाकिस्तान के स्वतंत्रता दिवस को भी चिह्नित करती है।
- भारत और पाकिस्तान में भारत के विभाजन ने 15 अगस्त, 1947 के आसपास के हफ्तों और महीनों में गंभीर हिंसा और सांप्रदायिक दंगों, संपत्ति के नुकसान और अत्यधिक उथल-पुथल का नेतृत्व किया। विभाजन को दुनिया के हाल के इतिहास में सबसे हिंसक और अचानक विस्थापन ों में से एक के रूप में स्वीकार किया जाता है।
- मारे गए लोगों की संख्या का अनुमान अलग-अलग होता है; आधिकारिक दस्तावेज के अनुसार, यह 500,000 से एक मिलियन से अधिक के बीच हो सकता है, लेकिन "आम तौर पर स्वीकृत आंकड़ा लगभग 500,000 पर खड़ा है"।
- विभाजन जैसी घटनाओं को याद रखने का मूल विचार, या अन्य दिन जो नरसंहार या सामूहिक हिंसा जैसे होलोकॉस्ट स्मरण दिवस से संबंधित हैं, आमतौर पर **उनसे सबक को प्रतिबिंबित करने और सीखने के लिए होता है और भविष्य में उन्हें दोहराया नहीं जाता है; और पीड़ितों की स्मृति का सम्मान करने के लिए।**

उदारशक्ति

- यह **कुआंतन (मलेशिया) में भारत और मलेशिया के बीच एक द्विपक्षीय हवाई अभ्यास** है।
- अन्य अभ्यास: संयुक्त सैन्य अभ्यास **"हरिमऊ शक्ति"** दोनों देशों के बीच सालाना आयोजित किए जाते हैं।

उन्नत टोड आर्टिलरी गन सिस्टम (एटीएजी)

- **एक स्वदेशी रूप से विकसित होवित्जर तोप, एटीएजी,** पहली बार स्वतंत्रता दिवस समारोह के दौरान 21-तोपों की सलामी का हिस्सा बन गई।
- एटीएजीएस एक **स्वदेशी 155 मिमी x 52 कैलिबर होवित्जर तोप है जिसे रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ) द्वारा विकसित किया** गया है, जिसमें इसकी पुणे स्थित सुविधा **आर्मामेंट रिसर्च एंड डेवलपमेंट एस्टैब्लिशमेंट (एआरडीई) नोडल एजेंसी है।**

क्रोनिक थकान सिंड्रोम

- **मायल्जिक एन्सेफेलोमाइलाइटिस (एमई / सीएफएस)**, क्रोनिक थकान सिंड्रोम के रूप में भी जाना जाता है, एक **गंभीर और दुर्बल करने वाली बीमारी है जो तंत्रिका तंत्र, प्रतिरक्षा प्रणाली और शरीर की ऊर्जा के उत्पादन को प्रभावित करती है।**
- इसके कारण अभी भी अज्ञात हैं। हालांकि, **संभावित ट्रिगर्स में वायरल या बैक्टीरियल संक्रमण, हार्मोनल असंतुलन और आनुवंशिक गड़बड़ी शामिल होगी।**
- बीमारी के लिए कोई विशिष्ट परीक्षण नहीं है, और डॉक्टर चिकित्सा परीक्षाओं, रक्त और मूत्र परीक्षणों पर भरोसा करते हैं।

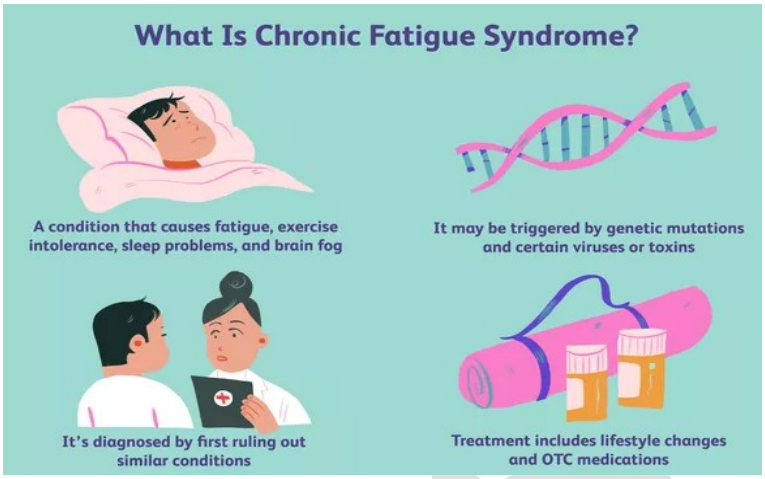

- सबसे बड़ा टेल-टेल लक्षण **उन गतिविधियों को करने की काफी कम क्षमता है जो बीमारी से पहले किए गए थे।** यह कम से कम **6 महीने (या उससे अधिक) दुर्बल थकान के** साथ होता है जो थकान की रोजमर्रा की भावनाओं की तुलना में अधिक गंभीर होता है।
- अन्य लक्षणों में नींद में परेशानी,**सोच में अस्थिरता, स्मृति प्रतिधारण और एकाग्रता, चक्कर आना / हल्का सिर, सिरदर्द, मांसपेशियों में दर्द, जोड़ों में दर्द, फ्लू जैसे लक्षण, निविदा लिम्फ नोड्स और पाचन संबंधी मुद्दे शामिल हैं।**
- कोई विशिष्ट इलाज या अनुमोदित उपचार नहीं है। इसके बजाय, डॉक्टर बीमारी के लक्षणों से निपटने के तरीकों की सलाह देते हैं।

अगस्त्यमलाई हाथी रिजर्व

- कन्याकुमारी और तिरुनेलवेली में 1,197.48 sq.km को अगस्त्य मलाई हाथी रिजर्व के रूप में नामित करने के प्रस्ताव को केंद्रीय पर्यावरण मंत्रालय द्वारा अनुमोदित किया गया था।
- तमिलनाडु इस अगस्त्य मलाई एलिफेंट रिजर्व की देखरेख करेगा, जो पांचवां हाथी रिजर्व है।
- यह आबादी को श्रीविल्लीपुथुर मेघमलाई टाइगर रिजर्व में अन्य क्षेत्रों और पेरियार परिदृश्य के साथ जोड़ने में मदद करेगा।

Funds released to the state governments under the centrally sponsored scheme 'Project Elephant' in 2010-11

	(in ₹ lakhs)
Andhra Pradesh	15.00
Arunachal Pradesh	10.00
Assam	139.55
Chhattisgarh	75.00
Haryana	100.00
Jharkhand	80.00
Karnataka	300.76
Kerala	265.39
Maharashtra	29.00
Meghalaya	103.838
Nagaland	41.30
Orissa	113.50
Tamil Nadu	226.879
Tripura	-
Uttarakhand	206.82
Uttar Pradesh	80.15
West Bengal	410.406
TOTAL	2,197.593

Source: Wildlife Trust of India

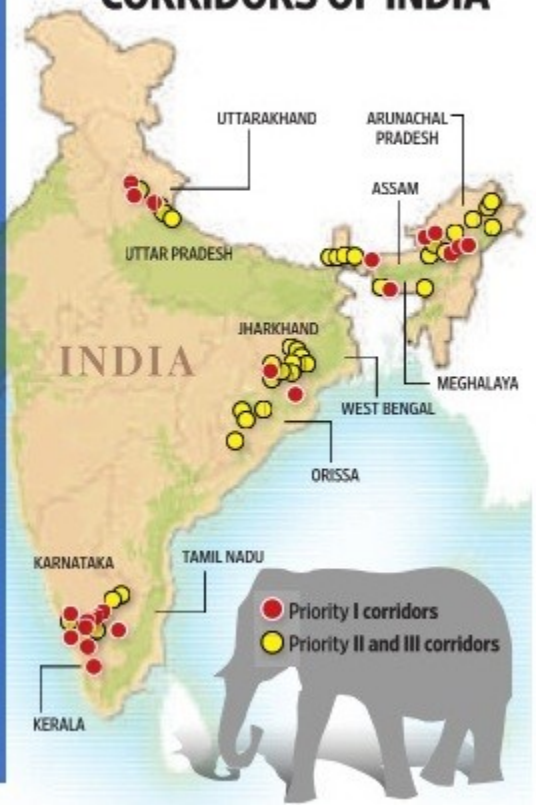

- अगस्त्य मलाई बायोस्फीयर रिजर्व पश्चिमी घाट के दक्षिणी छोर पर स्थित है और दो दक्षिणी राज्यों केरल और तमिलनाडु में फैला हुआ है।
- इसका नाम अगस्त्य माला चोटी के नाम पर रखा गया है जो केरल के तिरुवनंतपुरम में समुद्र तल से लगभग 1868 मीटर तक बढ़ जाती है।
- मार्च 2016 में, इसे यूनेस्को के विश्व नेटवर्क ऑफ बायोस्फीयर रिजर्व में शामिल किया गया था।
- इसमें पेप्पारा और शेंडुर्नी वन्यजीव अभयारण्य और केरल में नेय्यर अभयारण्य के कुछ हिस्सों और तमिलनाडु के कालाकड़ मुंडनथुरई टाइगर रिजर्व को शामिल किया गया है।
- यह कनीकरण जनजाति का घर है, जो दुनिया की सबसे पुरानी जीवित प्राचीन जनजातियों में से एक है।